वस्त्र मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1183
दिनांक 11.02.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

"फुलकारी कढ़ाई को प्रोत्साहन"

1183. श्री गुरमीत सिंह मीत हायेर:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने पंजाब में फुलकारी कढ़ाई के परिरक्षण और संवर्धन के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो कारीगरों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता, कौशल विकास और विपणन संबंधी पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की समर्पित फुलकारी समूहों की स्थापना करने अथवा इसकी भौगोलिक संकेतक (जीआई) ब्रांडिंग को सुदृढ़ करने की कोई योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

(ग) उपकरणों, वित्तीय सहायता और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच सहित फुलकारी कारीगरों के कल्याण में सुधार के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(घ) क्या फुलकारी के निर्यात और प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए राज्य संस्थाओं अथवा अंतर्राष्ट्रीय मंचों के साथ कोई सहयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्रा मार्घेरिटा)

(क) वस्त्र मंत्रालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के माध्यम से पंजाब सहित देश भर के हस्तशिल्प क्षेत्र के परिरक्षण और संवर्धन के लिए दो योजनाएं नामशः राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और व्यापक हस्तशिल्प कलस्टर विकास योजना (सीएचसीडीएस) कार्यान्वित करता है। इन योजनाओँ के तहत, विपणन कार्यक्रमों, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, उत्पादक कंपनियों का गठन, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, आधारभूत संरचना एवं प्रौद्योगिकी सहायता, अनुसंधान एवं विकास समर्थन आदि के माध्यम से कारीगरों को शुरु से अंत तक सहयोग हेतु आवश्यकता आधारित सहायता प्रदान की जाती है जिससे पंजाब के फुलकारी शिल्प सहित पारंपरिक शिल्प लाभान्वित होते हैं। विगत पांच वर्षों के दौरान फुलकारी कढ़ाई शिल्प का अभ्यास कर रहे कुल 1,910 कारीगर प्रशिक्षित किए गए, 1,040 टूलकिट वितरित किए गए और 890 कारीगरों ने सेमिनार में भाग लिया।

(ख) विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय एनएचडीपी योजनाओं के माध्यम से कार्यक्रम के कार्यान्वयन के दौरान कौशल, विपणन हेतु जीआई शिल्प का अभ्यास करने वाले कारीगरों को प्राथमिकता देता है। फुलकारी शिल्प को वर्ष 2011 में पंजाब, हरियाणा और राजस्थान राज्य हेतु भौगोलिक संकेतक (जीआई) प्राप्त हुआ। पंजाब में प्रमुख फुलकारी शिल्प कलस्टर रोपड़, नवाँशहर, फतेहगढ़ साहिब, पटियाला और गुरदासपुर जिले में है।

जीआई ब्रांड के सुदृढ़ीकरण और संवर्धन के लिए, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय ने शिल्प के लिए अधिक प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं के नामांकन में सहायता हेतु प्रत्येक फील्ड कार्यालय में पहले से ही सहायता डेस्क स्थापित किए हैं। बड़े राष्ट्रीय विपणन कार्यक्रमों में जीआई शिल्पों को बढ़ावा देने के लिए विशेष विपणन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान पंजाब में फुलकारी कढ़ाई कारीगरों को कुल 1,040 टूलकिट वितरित किए गए और पुरस्कार प्राप्त कारीगरों को अभावग्रस्त परिस्थितियों में 09 वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(घ) विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय का योजना दिशा-निर्देशों के अनुसार फुलकारी शिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने हेतु राज्य संस्थाओं या अंतर्राष्ट्रीय मंचों से कोई सहयोग नहीं है, तथापि यह कार्यालय शिल्पों के प्रदर्शन में सुधार हेतु एनएचडीपी के उपघटक विपणन सहायता के तहत अंतर्राष्ट्रीय विपणन कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए कारीगरों और निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

****